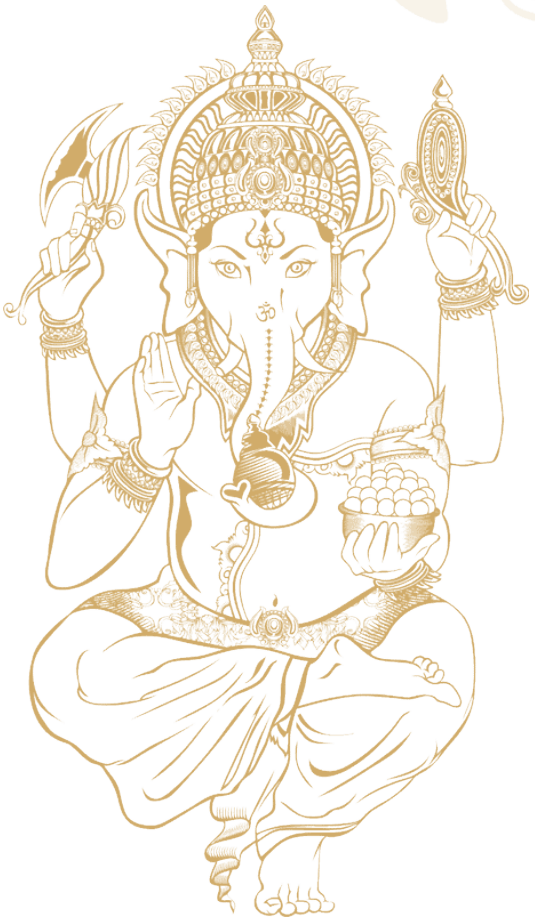

U

31 Oct 2000

03:46 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121909910

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/10/2000**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**15:46:00 घंटे**
इष्ट	23:03:06 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:24:52 घंटे
वेलान्तर	00:16:25 घंटे
साम्पातिक काल	18:04:58 घंटे
सूर्योदय	06:32:45 घंटे
सूर्यास्त	17:36:35 घंटे
दिनमान	11:03:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	14:26:02 तुला
लग्न के अंश	07:54:17 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	अतिगण्ड
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ये-येरुसलम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	07:54:17	515:23:08	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
सूर्य			तुला	14:26:02	01:00:02	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	नीच राशि
चंद्र			धनु	02:13:59	12:06:35	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल			कन्या	03:52:48	00:37:04	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
बुध	व	अ	तुला	11:24:05	01:13:59	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
गुरु	व		वृष	15:42:53	00:05:58	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	20:52:37	01:12:32	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	सम राशि
शनि	व		वृष	05:07:52	00:04:24	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	24:03:46	00:03:34	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	24:03:46	00:03:34	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	उच्च राशि
हर्ष			मक	23:02:28	00:00:15	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप			मक	09:59:49	00:00:32	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	17:36:24	00:02:01	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			धनु	07:16:21	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:49

लग्न-चलित

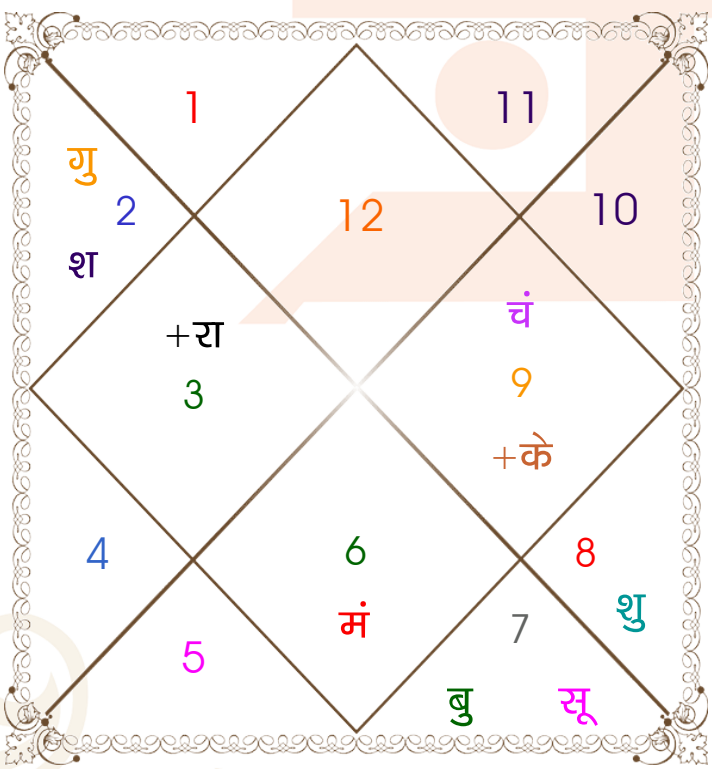

चन्द्र कुंडली

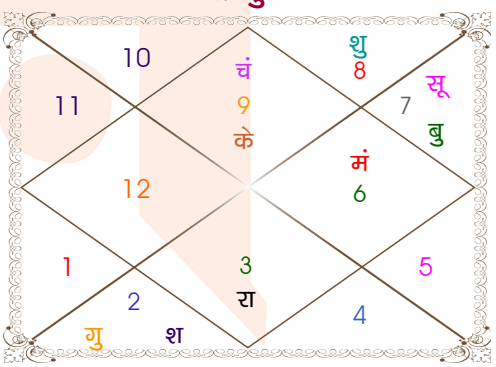

नवमांश कुंडली

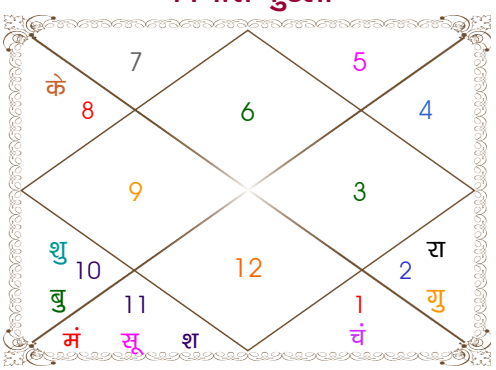

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 9 मास 28 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
31/10/2000		30/08/2006		30/08/2026		29/08/2032		30/08/2042	
30/08/2006		30/08/2026		29/08/2032		30/08/2042		29/08/2049	
	31/10/2000	शुक्र	29/12/2009	सूर्य	17/12/2026	चंद्र	30/06/2033	मंगल	26/01/2043
शुक्र	27/03/2001	सूर्य	29/12/2010	चंद्र	18/06/2027	मंगल	29/01/2034	राहु	13/02/2044
सूर्य	02/08/2001	चंद्र	29/08/2012	मंगल	24/10/2027	राहु	31/07/2035	गुरु	19/01/2045
चंद्र	03/03/2002	मंगल	29/10/2013	राहु	16/09/2028	गुरु	29/11/2036	शनि	28/02/2046
मंगल	30/07/2002	राहु	29/10/2016	गुरु	06/07/2029	शनि	30/06/2038	बुध	25/02/2047
राहु	18/08/2003	गुरु	30/06/2019	शनि	18/06/2030	बुध	29/11/2039	केतु	24/07/2047
गुरु	24/07/2004	शनि	30/08/2022	बुध	24/04/2031	केतु	29/06/2040	शुक्र	23/09/2048
शनि	01/09/2005	बुध	30/06/2025	केतु	30/08/2031	शुक्र	28/02/2042	सूर्य	28/01/2049
बुध	30/08/2006	केतु	30/08/2026	शुक्र	29/08/2032	सूर्य	30/08/2042	चंद्र	29/08/2049

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
29/08/2049		30/08/2067		30/08/2083		31/08/2102		31/08/2119	
30/08/2067		30/08/2083		31/08/2102		31/08/2119		00/00/0000	
राहु	12/05/2052	गुरु	17/10/2069	शनि	02/09/2086	बुध	26/01/2105	केतु	27/01/2120
गुरु	05/10/2054	शनि	29/04/2072	बुध	12/05/2089	केतु	24/01/2106	शुक्र	01/11/2120
शनि	11/08/2057	बुध	05/08/2074	केतु	21/06/2090	शुक्र	23/11/2108		00/00/0000
बुध	29/02/2060	केतु	12/07/2075	शुक्र	20/08/2093	सूर्य	30/09/2109		00/00/0000
केतु	18/03/2061	शुक्र	12/03/2078	सूर्य	02/08/2094	चंद्र	01/03/2111		00/00/0000
शुक्र	18/03/2064	सूर्य	29/12/2078	चंद्र	03/03/2096	मंगल	27/02/2112		00/00/0000
सूर्य	10/02/2065	चंद्र	29/04/2080	मंगल	11/04/2097	राहु	15/09/2114		00/00/0000
चंद्र	11/08/2066	मंगल	05/04/2081	राहु	16/02/2100	गुरु	21/12/2116		00/00/0000
मंगल	30/08/2067	राहु	30/08/2083	गुरु	31/08/2102	शनि	31/08/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 10 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कन्या का नवमांश एवं मीन का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादिक ज्योतिषीय आकृति आपके जीवन को धन संपत्ति से युक्त आमोद-प्रमोद एवं हर्षोल्लास से परिपूर्ण आनंदमय जीवन बिताने के साधनों से युक्त करता है।

प्रायः हर दशा में ज्योतिषीय प्रभाव आपका पक्षधर है। यदि आप अपने हस्तगत कार्य व्यवसाय को समय पर सुव्यवस्थित ढंग एवं समर्पण की भावना से संपादित कर लिए तो आपका जीवन सफल होने की संभावना है, बर्शेते कि आप सकारात्मक ढंग से कार्यो का संपादन करें। फलस्वरूप यह आपके लिए उन्नति कारक होगा। इस दृष्टिकोण से यह आवश्यक है कि आप वासनात्मक प्रवृति को बहुत महत्त्व देकर इन कार्यो से संबंधित रहते है। यदि आप इस प्रवृति हेतु सतर्कता नहीं बरतें तो यह वासना आपको मिट्टी पलीत कर देगा। अर्थात् आपका विनाश कर देगा। आप इनका उन्मूलन करें अन्यथा इस उत्तेजना के कारण आपके जीवन की ललिमा नष्ट हो जाएगी तथा इस प्रवृति के कारण मात्र आपका परिवार ही अस्त-व्यस्त नहीं हो जाएगा। बल्कि यह आपको अकर्मण्य बना कर आपकें कार्य कलाप से भी दिशा हीन बना देगा। परंतु यदि आप इस प्रवृत्ति को समाप्त कर दिए तो आप बहुत अच्छी प्रकार उन्नति कर सकेंगे। आप धन संचय कर सकेंगे। इस प्रकार आप मात्र अपने उपार्जन को ही नहीं बढ़ाएंगे, बल्कि आप धन संपत्ति भी सर्वथा अर्जित करेंगे। आपमें ऐसी क्षमता है कि आप अपने प्रतिपक्षी को परास्त कर देंगे जो कि आपके कार्य-व्यवसाय को नष्ट करने का प्रयास करेगा।

आप मात्र एक सुखद एवं अभिमंत्रित भवन के स्वामी होंगे। बल्कि हर दशा में अपने मित्रों के अपना कर अपनी मित्र मंडली का विस्तार करेंगे। आप समाजिक क्लब के सदस्य होंगे। आप अपनी भद्रता एवं अतिथ्य सत्कार के कारण अपने मित्र मंडली में प्रख्यात भी होंगे। परंतु आपको कुछ समस्याओं से मुठ-भेड़ भी करना पड़ेगा। आप अन्य लोगों के लिए किसी प्रकार का कष्ट नहीं पहुंचाने वाले बल्कि अतिशय विश्वास पात्र हैं। आप किसी के भी साथ सामंजस्य एवं सकारात्मक फल प्राप्ति की उत्कंठा रखते हैं। जब आप किसी भी मित्र के साथ प्रतिज्ञा करते हैं उसे बहुत अच्छी प्रकार निभाते हैं। परंतु क्या वे इस प्रकार पीछें भी लौट सकते है। नहीं। वास्तव में संयोगवश ऐसा कुछ घटित हो जाए उस परिस्थिति में जो आपसे संबंधित है। वे लोग आपकी आवश्यकता के समय अथवा जरूरत पड़ने पर अपने कार्य को त्याग कर आपके पक्ष में अपना योगदान करते हैं। अतएव आप उन पर अत्यंत भरोसा कर के अन्यों को उपेक्षित अथवा वहिष्कृत कर देते हैं।

यदि आप सतर्कता पूर्वक मर्यादित पथ पर चलते हैं तो आपके पारिवारिक सदस्य तथा सामान्य जन आपके गुणों एवं साहसिक प्रवृति तथा दानशीलता हेतु आपकी प्रशंसा करेंगे। आप धार्मिक प्रवृति के प्राणी हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं पौढ़ावस्था में आप भक्ति के प्रदर्शन में अभिरूचि रखेंगे तथा धर्म-दर्शन एवं पराविज्ञान में दक्ष हो जाएंगे। आप इस विषय में बहुत अधिक ज्ञानार्जन कर सकते हैं। यदि आप चयन करेंगे तो कोई छोटा धर्मोपदेशक भी बन सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन गुरुवार, मंगलवार एवं रविवार का दिन उत्तम हैं। शेष साप्ताहिक तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सामान्य फलदायी है।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं विश्वसनीय अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु हर दशा में 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए रंगों में रंग पीला, लाल, गुलाबी एवं नारंगी रंग आपके लिए अनुकूल हैं। परंतु नीला रंग आपके लिए किसी भी दशा में अनुकूल नहीं है।